अनुच्छेद लेखन

अनुच्छेद - शिक्षक दिवस

रुपरेखा : शिक्षक दिवस का महत्व - शिक्षक दिवस का इतिहास - शिक्षक सम्मान

हर साल हम **5** सितम्बर को शिक्षक दिवस या 'टीचर्स डे' मानते हैं। शिक्षक हमें न सिर्फ ज्ञान का प्रकाश देते हैं बल्कि अच्छे बुरे की पहचान करने की शिक्षा प्रदान कर हमारे मन के अन्धकार को भी दूर करते हैं। कसी भी राष्ट्र के निर्माण और उसकी संस्कृति की रक्षा करने में भी शिक्षक एक अहम भूमिका निभाते हैं।

इस दिन भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति बुद्धिजीवी सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन का जन्म हुआ था। वह स्वयं इस देश के एक महान शिक्षक थे। वैसे तो शिक्षक की उपासना सदियों पहले गुरुकुल से चली आ रही है, जब इसे गुरु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता था।

शिक्षक समाज का निर्माता होता है। इनकी तुलना गुरु और देवता से भी की जा सकती है, जो हमेशा ही मानव कल्याण में लगे रहते थे। इस अवसर पर देश भर में सबसे योग्य और शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षकों को केंद्र सरकार विशेष रूप से सम्मानित करती हैं। यह सम्मान देकर हम अपने शिक्षकों का उनका मनोबल बढ़ाते हैं और उनकी भरपूर सराहना करते हैं।